(ख) यदि हां, तो क्या बैंकों को इस आशय के कोई अनुदेश जारी किये गये हैं या करने का विचार है कि फसलों को कोई नुकसान होने की स्थिति में मुआवजा, निर्धारित समय सीमा के भीतर दे दिया जाता है ?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुल्लापल्ली रामचन्द्रन) : (क) वृहत फसल बीमा योजना एक स्वैच्छिक योजना है। सभी राज्य संघ शासित प्रदेश किसी क्षेत्र में इसका कार्यान्वयन करके इसके पक्ष में विकल्प देने के लिए स्वतंत्र हैं। इस समय सभी राज्यों संघ शासित प्रदेशों में अनिवार्य रूप से वृहत फसल बीमा योजना का कार्यान्वयन करने का कोई प्रस्ताव नहीं है।

(ख) यह प्रश्न नहीं उठता।

रासायनिक उर्वरकों का मानव जीवन पर असर

4057. **डा० जिनेन्द्र कुमार जैन** : क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि रासायनिक उर्वरकों का कृषि में इस्तेमाल किये जाने का मानव जीवन पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों को देखते हुए नये कीटनाशक बनाए गए हैं जो पौधों पर आधारित हैं ;

(ख) क्या यह भी सच है कि इस संबंध में नीम के वृक्ष और उसकी गिरी का इस्तेमाल बहुत सफल रहा है और यह भी कि देश में पर्यावरण और जलवायु संबंधी स्थितियों नीम के वृक्ष लगाने के लिए बहुत उपयुक्त हैं; और

(ग) यदि हां, तो क्या सरकार ने किसानों को रासायनिक उर्वरकों के दुष्प्रभावों से बचाने के लिए नीम की गिरी का कीटनाशक के रूप में इस्तेमाल किये जाने को बढ़ावा देने के लिए कदम उठाये हैं और यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं ?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुल्लापल्ली रामचन्द्रन) : (क) नई और अपेक्षाकृत सुरक्षित कृमि नाशी दवाइयों, पौधों पर आधारित वनस्पति विज्ञान मूल की) कृमिनाशी दवाओं सहित, के विकास पर अनुसंधान एक सतत प्रक्रिया है जो विभिन्न राष्ट्रीय और अन्तरराष्ट्रीय संगठनों द्वारा किया जाता है। इन जांचों के माध्यम से नीम, तम्बाकू, आदि जैसे पौधों पर आधारित कृमि नाशी दवाइयां विकसित की गई हैं।

(ख) जी, हां।

(ग) सरकार ने नीम पर आधारित कृमिनाशी दवाइयों के निर्माण और उपयोग को कृमिनाशी दवा अधिनियम, 1968 के अन्तर्गत पंजीकृत किया है।

Production of oil seeds

4058. SHRI KRISHNA KUMAR BIRLA: Will the Minister of AGRICULr TURE be pleased to state:

(a) what is the comparative percentage of rise in the cultivation and production of oil seeds in the country during 1989, 1990 and 1991;

(b) what is the present area under oilseeds cultivation in the country and what percentage it constitutes of the total cultivable loan;

(c) what was the gap between the projection and the actual production of oilseeds during 1989, 1990 and 1991 and what are the reason for the shortfall in the estimated targets;

(d) what are the achievements made in the production of oil-seeds due to incentives, if any, given by Government for brining improvement in production, area-wise; and

(e) what measures are contemplated by Government to attain self-sufficiency in oil-seeds?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI MULLAPPALLY RAMACHANDRAN): (a) The percentage increase in area and production of Oil-seeds over 1985-86 is as follows;

	(Percent increase)		
	1988-89	1989-90	1990-91
Area	15.1	19.8	26.2
Production	66. 4	56. 2	70. 5

(b) During 1988-89, the total cultivable area was 184.71 million hectares out of which cultivated area under Oil-seeds was 21.89 million hectare i.e. 11.85 per cent.

(c) There was no gap betwen the oilseeds production targets and actual production.

(lakh tonnes')

1988-89		1989-90		1990-91	
T	A	T	A	T	A
156.6	180.3	1650	169.2	180. 0	184. 6

In fact production exceeds targets in all the three years.

(d) As a result of incentives given under Oilseeds Centrally Sponsored Schemes there has been rise in production as will be evident from the following:

Actual Production (lakh tonnes)

1985.86..... (base year)	108. 32
1986-87.....	121.70
1987-88	126.55
1988-89	180.33
1989-90	169.24
1990-91	184-64

(e) A Centrally Sponsored Schemes i.e. Oilseed's Production Programmes is already under operation in 19 States and will be continued during VIII Plan. Oilseeds are covered by the Mission mode approach under Technology Mission on Oil-seeds and Pulses. If the present tempo of development is maintained we are likely to be close to self-sufficiency at the end of VIII Plan.

कृषि में अधिक निवेश

4059. डा० जितेन्द्र कुमार जैन :

श्री रघुजीत सिंह :

क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान दिनांक 28 फरवरी, 1992 के "दि हिन्दू" में "सर्वे स्टैसेस हायर फाम इन्वेस्टमेंट" शीर्षक के अन्तर्गत प्रकाशित समाचार की ओर दिलाया गया है ; और

(ख) यदि हां, तो उस पर सरकार की क्या प्रतिक्रिया है ?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुल्लापल्ली रामचन्द्रन) : (क) जी, हां।

(ख) समाचार पत्र में प्रकाशित किए गए महत्वपूर्ण सुझाव, जैसे बारानी खेती पर बल देना, भूमि तथा जल अवक्रमण पर नियंत्रण, उत्पादन को प्रौद्योगिकियों में सुधार, भंडारण तथा विपणन, तिलहनों तथा दालों का उत्पादन, ऋण पद्धति को